



॥ श्री गंगा क्षमा प्रार्थना ॥
॥ ॐ जय गंगे माता ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गंगा क्षमा प्रार्थना ॥

ॐ श्री गङ्गायै नमः॥

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वरि॥१॥

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वरि।
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्णं तदस्तु ते॥२॥

अज्ञानाद्विस्मृत्या वापि यन्न्यूनमधिकं कृतम्।
तत्सर्वं क्षम्यतां देवि प्रसन्ना भव जाह्नवि॥३॥

मनसा वाचा कर्मणा यद् दोषं समुपार्जितम्।
तत्सर्वं नाशय देवि त्राहि मां करुणामयि॥४॥

त्वमेव माता च पिता त्वमेव।
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव।
त्वमेव सर्वं मम देवि गङ्गे॥५॥

पतितोद्धारिणि गङ्गे पापनाशिनि पुण्यदे।
कृपया शरणं प्राप्तं रक्ष मां भवसागरात्॥६॥

करचरणकृतं वाक्कायजं कर्मजं वा।
श्रवणनयनजं वा मानसं वापराधम्।
विहितमविहितं वा सर्वमेतत् क्षमस्व।
जय जय करुणामयि श्रीमाते गङ्गे॥७॥

॥ समापन प्रार्थना ॥

हे माँ गंगे! यदि पूजन, जप, आरती या स्तुति में किसी प्रकार की त्रुटि, भूल या अशुद्धि हुई हो तो कृपया उसे क्षमा करें। अपने पवित्र जल के समान हमारे हृदय को भी निर्मल करें और हमें सद्बुद्धि, भक्ति तथा मोक्षमार्ग प्रदान करें।

